an>

Title: Regarding tension on Indo-China border.

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR): Hon. Speaker, Sir, I would like to draw the attention of this House and the hon. Minister of Defence to a grave situation arising along the Indo-China border. Still today the 73 days stand-off between India and China at Doklam is vivid in our memory which could have got escalated, however fortunately it was defused.

But again, at periodic intervals, China has been making intrusion in our territory. They are pursuing the policy of slicing, they are pursuing a policy of transgression in order to make their entry into our country followed by offensive diplomacy. A few days ago, on 6th of July, in Demchak area near Ladakh, the Chinese army transgressed six kilometres inside the Indian territory where the Indian people were celebrating the 84th birth anniversary of Dalai Lama. They even planted their flag also. So, it is a matter of grave concern. The border with China is still not settled. We are sharing more than 4000 kilometres of border with China. They are not following the Macmohan Line … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब आप जवाब भी सुनें । माननीय रक्षा मंत्री जी ।

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, यह सच है कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि अधीर रंजन चौधरी जी ने क्यों इस इश्यू को हाउस में उठाने की कोशिश की? जहां तक भारत-चीन की सीमा ही नहीं, मैं देश की सीमा के बारे में

कहना चाहता हूं कि सारे देश को देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त रहना चाहिए, यह मैं पूरे विश्वास के साथ कहना चाह रहा हूं ।

भारत और चीन के बीच सीमा पर प्राय: शांति रही है । लेकिन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर डिफरेंसेज़ इन परसेप्शन के कारण समय-समय पर स्थानीय स्तर पर कभी-कभी कुछ अप्रिय हालात वहां पर पैदा हुए हैं । इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता है । यह पहले से ही है, मतलब सन् 1962 के बाद से यह स्थिति बनी हुई है । इसका मूल कारण यह है कि भारत और चीन के बीच कॉमनली डिलिनीएटेड एलएसी का एक अभाव है ।

इस तरह की स्थितियों से निपटने के लिए भारत और चीन के बीच कई मैकेनिज़म्स हैं, जैसे दोनों सेनाओं के स्थानीय कमांडर्स के बीच बार्डर पर्सनल मीटिंग्स, फ्लैग मीटिंग, हॉट लाइन जिससे कि इनकर्सन्स, ट्रांसग्रेशन्स एंड फेस ऑफ जैसी स्थितियों को नियंत्रित किया जा सके । इसके अलावा दीर्घकालीन विषयों हेतु राजनयिक स्तर पर भी स्पेशल रिप्रज़ेंटेटिव टास्क, जो कि प्राय: एनएसए के स्तर पर होती है और एक वर्किंग मैकेनिज़्म फॉर दि कंसल्टेशन एंड कोआर्डिनेशन, जिसे बोलचाल की भाषा में डब्ल्यूएमसीसी कहते हैं, ज्वाइंट सेक्रेट्री स्तर पर प्राय: यह बात होती रहती है । यदि मैं इंटरवल की बात कहूं, तो प्राय: छ: महीने के इंटरवल पर यह बातचीत का सिलसिला चलता रहता है ।

महोदय, अप्रैल, 2018 में वुहान शहर में भारत और चीन के शीर्षस्थ नेताओं के बीच एक अनौपचारिक शिखर वार्ता हुई । सारा देश जानता है कि हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और साथ ही साथ चाइना के राष्ट्रपति जी के बीच यह शिखर वार्ता हुई थी । इस वार्ता में भारत-चीन की सीमा पर पीस एंड ट्रैंक्विलिटी को भी बनाए रखने के लिए विशेष बल दिया गया । इस शिखर वार्ता के बाद दोनों ने अपनी-अपनी सेनाओं को स्ट्रैटिजिक गाइडेंस भी जारी किए हैं, ताकि दोनों देशों की सीमाओं पर बेहतर संवाद और विश्वास कायम हो सके तथा बार्डर अफेयर्स का मैनेजमेंट ज्यादा से ज्यादा बेहतर हो सके ।

अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार देश की सुरक्षा की आवश्यकताओं के बारे में पूरी तरह से जागरूक है । मैं इस सदन में आश्वस्त करना चाहता हूं तथा

समय-समय पर इसकी हम लोग समीक्षा भी करते रहते हैं और उचित निर्णय भी लेते रहते हैं । भारत-चीन सीमा पर इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे सड़क, टनल, रेलवे लाईन और एयर फील्ड्स को भी डेवलप किया जा रहा है, जिससे कि देश की अखंडता और सुरक्षा को सुनिश्चित रखा जा सके ।

डोकलाम की घटना, जिसका ज़िक्र अधीर रंजन जी ने किया है, यह अगस्त, 2017 में हुई और इस विषय पर सदन में विस्तारपूर्वक चर्चा इसके पहले भी हो चुकी है तथा सरकार ने अपना पक्ष भी पूरी तरह से रख दिया है । इस संबंध में आगे मुझे कुछ नहीं कहना है । इस समय डोकलाम में दोनों पक्षों द्वारा पूरी तरह से संयम बरता जा रहा है ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): मैंने डेमचोक की बात की है । डोकलाम नहीं, डेमचोक के बारे में कहा है ।...(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह: डेमचोक के बारे में मैंने आपको क्लेरिफाई कर दिया है । भले ही मैंने डेमचोक का नाम न लिया हो । ...(व्यवधान) मैंने पूरे इंडो-चाइना बार्डर की बात कर दी । केवल डेमचोक की ही बात नहीं है, मैंने पूरे इंडो-चाइना बार्डर की बात कर दी है । भारत और चीन, दोनों देशों के द्वारा विद्यमान समझौतों का सम्मान किया जा रहा है, ताकि सीमा पर पीस एंड ट्रैंक्विलिटी पूरी तरह से कायम रहे ।

माननीय अध्यक्ष : श्री बी. महताब जी ।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : ध्यान से सुनिए । ये सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं ।